International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

पुस्तकालयों में दिव्यांगों के लिए सूचना सेवाएँ

आराधना त्रिपाठी
शोधकर्ता
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग
सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय भोपाल
डॉ. साधना सक्सेना
प्रोफेसर
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग
सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय भोपाल

सार
यह लेख पुस्तकालयों में दिव्यांगों के लिए सूचना सेवाएं पर केंद्रित है। लेख में दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालयों द्वारा प्रदान की गई विशेष सेवाओं, विभिन्न प्रकार के उपकरणों और बुनियादी ढाँचे की सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तकालय में दिव्यांग छात्राओं को आने वाली बाधाएँ और दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को सूचना सेवाएँ के प्रभावी उपयोग के लिए सुझाव भी बताए गए है।
मुख्य शब्दः पुस्तकालयए दिव्यांगोंए दिव्यांग उपयोगकर्ताओं ए सूचना सेवाएँ

प्रस्तावना
वर्तमान सूचना युग में सूचना और ज्ञान तक पहुँच पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जिन लोगों के पास आवश्यक सूचना तक पहुँच नहीं है, वे सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने से वंचित रह जाते हैं। पुस्तकालय समाज में सूचना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय सभी लोगों को सूचना संसाधन और सेवाएँ प्रदान करते हैं, वे सीखने के अवसर प्रदान करते हैं, साक्षरता और शिक्षा का समर्थन करते हैं, और नए विचारों और दृष्टिकोणों को आकार देने में मदद करते हैं।सूचना सभी मनुष्यों के लिए आवश्यक है और प्रत्येक पुस्तकालय का उद्देश्य जाति, धर्म, आयु, लिंग, राष्ट्रीयता और भाषा की परवाह किए बिना अपने उपयोगकर्ता को सही समय पर और सही प्रारूप में सही जानकारी प्रदान करना है। अब पुस्तकालयों में दिव्यांगों को कई सुविधाएँ और सूचना सेवाएँ प्रदान की जाती है।

दिव्यांगों के प्रकार -दिव्यांग व्यक्तियों को उनकी विशेष आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में बांटा जा सकता है। ये श्रेणियाँ इस प्रकार हैंरू

दिव्यांग व्यक्तियों को उनकी विशेष आवश्यकताओं के आधार पर अन्य श्रेणियों में भी बांटा जा सकता है। जिसमें दृष्टि बाधित, अल्पदृष्टि, कुष्ठरोगी, श्रवण बाधित, चलन निशक्तता, बौनापन, बौद्धिक निशक्तता, मानसिक रोग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मांसपेशी दुर्विकार, क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल कंडीशन्स, स्पेशिक लर्निंग डिसएबिलिटी, मल्टीपल स्कलेरोसिस, वाक एवं भाषा निशक्तता, थेलेसीमिया, हिमोफिलिया, स्किल सैल डिसीज, बहु निशक्तता, तेजाब हमला पीड़ित एवं पार्किनसंस रोग के विकारों से ग्रसित लोगों को शामिल किया गया है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ

दिव्यांगों के लिए पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करने का उद्देश्य उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में मदद करना है। इसके लिए पुस्तकालयों को दिव्यांगों की विशेष आवश्यकताओं को समझने और उनकी सेवाओं को उनके अनुसार डिजाइन करने की आवश्यकता है।दुनिया भर के पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों ने अपने दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की पुस्तकालय और सूचना संबंधी आवश्यकतों को पूरा करने के लिए विशेष सूचना सेवाएँ विकसित की हैं। इनमें शामिल हैंरू

- **ब्रेल पुस्तकें-** ब्रेल पढ़ने और लिखने की एक प्रणाली है जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग उन अक्षरों को दर्शाने के लिए किया जाता है जिन्हें स्पर्श करके पढ़ा जाता है। ब्रेल पुस्तकें उन उपयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त हैं जिनमें दृष्टि कम होती है।
- **इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्ट-** ये कंप्यूटर टेक्स्ट-फाइलें हैं। दृष्टिबाधित उपयोगकर्ता कंप्यूटर में इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्ट लोड कर सकते हैं और स्क्रीन आवर्धक सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कंप्यूटर से टेक्स्ट पढ़ सकते हैं, टेक्स्ट को बड़े प्रिंट में प्रिंट कर सकते हैं और इसे कागज से पढ़ सकते हैं, कंप्यूटर से जुड़ी ब्रेल बार का उपयोग करके टेक्स्ट पढ़ सकते हैं और स्क्रीन रीडर का उपयोग करके कंप्यूटर द्वारा टेक्स्ट को जोर से पढ़ सकते हैं।
- **बोलने वाली किताबें-** ये किताबों के ऑडियो संस्करण हैं जिन्हें कैसेट, सीडी-रोम, डीवीडी और इंटरनेट पर ई-बुक के रूप में रिकॉर्ड किया जा सकता है। दृष्टिबाधित लोगों में से ज्यादातर बोलने वाली किताबें पसंद करते हैं।
- **बड़ी छपी हुई सामग्री-** ये आंशिक रूप से दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं द्वारा उपयोग के लिए बड़े फॉन्ट में मुद्रित प्रलेख हैं।
- **बोलने वाले समाचार पत्र-** दैनिक समाचार पत्रों में समाचार लेखों की ऑडियो रिकॉर्डिंग।

पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली विशेष सेवाएँ

- पुस्तकालयों में दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष सेवाएँ होती हैं, जैसे कि घर पर पुस्तकों की डिलीवरी, ऑनलाइन सेवाएँ, जैसे कि ई-पुस्तकें, ऑनलाइन डेटाबेस, आदि।, जो पुस्तकालय में आने में असमर्थ हैंय
- उन उपयोगकर्ताओं के लिए रीडिंग रूम की सुविधा प्रदान करना,जिन्हें पढ़ने में कठिनाई होती है या पाठों को स्कैन करके उन्हें स्क्रीन रीडर के साथ कंप्यूटर पर पढ़ने योग्य बनानाय
- पढ़ने में अक्षम व्यक्तियों के लिए नियमित आधार पर परामर्श सेवा प्रदान करनाय
- आउटरीच सेवाएँ और देखभाल सुविधाएँ प्रदान करनाय
- सूचना प्रसार- पुस्तकालयों में दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना प्रसार की सुविधा होती है, जैसे कि न्यूजलेटर, ब्लॉग, आदि।

आजकल पुस्तकालय भी दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना तक पहुँच बढ़ाने के लिए आईसीटी में प्रगति का लाभ उठा रहे हैं। आईसीटी की सहायता से अब दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को नवीन सूचना सेवाएं दी जा सकती है इन नवीन तकनीकों में शामिल हैंरू

1. **स्क्रीन मैग्निफायर-** यह एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जो कंप्यूटर स्क्रीन पर टेक्स्ट या ग्राफिक्स को मूल से सोलह गुना तक बड़ा करने की अनुमति देता है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

2. **स्क्रीन रीडर-** एक सॉफ्टवेयर जो रीडर को दस्तावेज की सामग्री पढ़ता है।
3. **वॉयस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर-** जैसे कि श्र।ॅॅ टॉकिंग सॉफ्टवेयर (कंप्यूटर को टॉकिंग पीसी में बदलें) यह उपयोगकर्ता को आवाज के माध्यम से कंप्यूटर में डेटा इनपुट करने की अनुमति देता है।

पुस्तकालय में दिव्यांग छात्राओं को आने वाली बाधाएँ

पुस्तकालय में दिव्यांग छात्राओं को आने वाली कठिनाइयों हैं -

1. **शारीरिक बाधाएं-** पुस्तकालय की बुनियादी सुविधाओं में बाधाएं, जैसे कि सीढ़ियाँ, संकीर्ण दरवाजे, और असुलभ शौचालय।
2. **सामग्री तक पहुंचने में कठिनाई-** पुस्तकालय की सामग्री तक पहुंचने में कठिनाई, जैसे कि उच्चतम शेल्फ पर पुस्तकें या दुर्गम स्थानों पर पत्रिकाएं।
3. **सहायक प्रौद्योगिकी की कमी-** पुस्तकालय में सहायक प्रौद्योगिकी की कमी, जैसे कि स्क्रीन रीडर या ब्रेल डिस्प्ले।
4. **प्रशिक्षित कर्मचारी की कमी-** पुस्तकालय के कर्मचारियों में दिव्यांग छात्राओं की आवश्यकतों को समझने और उनकी सहायता करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की कमी।
5. **सामाजिक बाधाएं-** दिव्यांग छात्राओं को अक्सर सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे कि लोगों की नकारात्मक धारणाएं या समर्थन की कमी।

इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए पुस्तकालयों को दिव्यांग छात्राओं की आवश्यकतों को समझने और उनकी सहायता करने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए।

पुस्तकालयों में दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को सूचना सेवाएँ के प्रभावी उपयोग के लिए सुझाव

दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय सेवाओं तक पहुंचने में मदद करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं

1. **सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोगः** दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए स्क्रीन रीडर, ब्रेल डिस्प्ले, ऑडियो बुक्स, ई-बुक्स, और अन्य सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करें।
2. **सुलभ संग्रहः** पुस्तकालय के संग्रह को व्यवस्थित करें ताकि दिव्यांग उपयोगकर्ता आसानी से पुस्तकें और अन्य सामग्री प्राप्त कर सकें।
3. **प्रशिक्षित कर्मचारीः** पुस्तकालय के कर्मचारियों को दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतों को समझने और उनकी सहायता करने के लिए प्रशिक्षित करें।
4. **सुलभ बुनियादी ढांचाः** पुस्तकालय की बुनियादी सुविधाओं को दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ बनाएं, जैसे कि रैंप, लिफ्ट, और सुलभ शौचालय।
5. **सामुदायिक सहयोगः** स्थानीय दिव्यांग संगठनों और समुदायों के साथ सहयोग करें ताकि दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतों को बेहतर ढंग से समझा जा सके और उनकी सहायता की जा सके।
6. **सूचना प्रसारः** दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध सेवाओं और संसाधनों के बारे में सूचना प्रसारित करें, जैसे कि ब्रेल और ऑडियो प्रारूप में सामग्री।
7. **नियमित मूल्यांकनः** पुस्तकालय की सेवाओं और सुविधाओं का नियमित मूल्यांकन करें ताकि दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतों को पूरा किया जा सके।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

निष्कर्ष

दिव्यांगों के लिए पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं क्योंकि वे उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में मदद करती हैं। पुस्तकालयों को दिव्यांगों की विशेष आवश्यकताओं को समझने और उनकी सेवाओं को उनके अनुसार डिजाइन करने की आवश्यकता है। इसके लिए पुस्तकालयों में सुलभ संग्रह, सहायक प्रौद्योगिकी, विशेष सेवाएँ, सुलभ बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित कर्मचारी, ऑनलाइन सेवाएँ, सामुदायिक सहयोग, और सूचना प्रसार जैसी सुविधाएँ होनी चाहिए। दिव्यांगों के लिए पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ एक महत्वपूर्ण कदम हैं जो उन्हें सशक्त बनाने और उनकी जिंदगी में सुधार लाने में मदद कर सकती हैं। सभी पुस्तकालयों को मिलकर दिव्यांगों के लिए समावेशी और न्यायसंगत पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ सुनिश्चित करने में अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

संदर्भ (Reference)

- Babalola, Y. T., & Haliso, Y. (2011). Library and information services to the visually impaired-the role of academic libraries. Canadian social science, 7(1), 140-147.
- Jharotia, A. K. (2017) Library and Information Services for Divyangs in India. International Conference on Divyangs and PMG: A Global Media PerspectiveAt: IIMC, JNU Campus, Delhi
- Rayini, Junaid (2017). Library and Information Services to Viasually Impaired Students In University Libraries In Lucknow, Proceedings of the Seminar of Divyangs and Digital India: Opportunities and Challenges, Delhi, pp.159-162.

WEB REFERENCES

- https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/4058/
- https://www.aicte-india.org/opportunities/students/facilities-differently-abled
- https://depwd.gov.in/